12.14 hrs.

CLARIFICATION BY MEMBER

(Shri Madhu Limaye)

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य श्री मधु लिमये ने मुझे 12 अप्रैल, 1965 को एक चिट्ठी लिखी थी जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने किसी भी सदस्य को या मंत्री को इस विशेषन......

एक माननीय सदस्य : सैशन ?

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : श्री स्वर्ण सिंह ने इस्तेमाल किया था। मैंने जो कहा था उस के बारे में उन्होंने कहा था कि इस विशेषण का, ऐडजैक्टिव का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

अध्यक्ष महोदय : अच्छा आप ही वह जो लिखा है कह दीजिये। दो सैंटेंस में सिर्फ कह दीजिये।

श्री मधु लिमये : मैंने 8 अप्रैल, 1965 को चीन के फौजी और वैचारिक आक्रमण सम्बन्धी भारत सरकार की नीति को नपुंसक नीति कहा था। मैंने किसी भी सदस्य को या मंत्री को इस विशेषण से सम्बोधित नहीं किया था। कांग्रेसी सदस्यों द्वारा तीन बार इस शब्द को कार्यवाही से निकाल देने की मांग किये जाने पर भी अध्यक्ष महोदय ने इस को असंसदीय करार देकर कार्यवाही से निकाल देने की आज्ञा नहीं दी। मैंने कहा था कि खाडिलकर जी बैठ जायें, दखल न दें, मैं जवाब सुनना चाहता हूं। सदन् छोड़ते समय भी मैंने न लोकसभा पर और न अध्यक्ष महोदय पर कोई लांछन लगाया। नपुंसकता की नीति खूब चलाओ, जोर से चलाओ यह शब्द प्रयोग मैंने बहुमत वाले दल के बारे में किया था।

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) : क्या श्री सत्य नारायण सिंह इस पर कुछ नहीं बोलेंगे? गलत आधार पर उन्होंने एक मोशन सदन के सामने रक्खा था।

Mr. Speaker: Shri Morarka.

12.16 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

THIRTY-SIXTH REPORT

Shri Morarka (Jhunjhunu): Sir, I beg to present the Thirty-sixth Report of the Public Accounts Committee on the Finance Accounts of Central Government, 1962-63—Chapter I of Audit Report (Civil), 1964.

12.16¼ hrs.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

SIXTH AND SEVENTH REPORTS

Shri P. G. Menon (Mukundapuram): Sir, I beg to present the following Reports of the Committee on Public Undertakings:—

(i) Sixth Report on the Fertiliser Corporation of India Limited, New Delhi; and

(ii) Seventh Report on action taken by Government on the recommendations contained in the 32nd Report of the Estimates Committee on National Coal Development Corporation Limited Ranchi.

12.16½ hrs.

DEMANDS FOR EXCESS GRANTS (RAILWAYS), 1962-63

The Minister of Railways (Shri S. K. Patil): Sir, I beg to present a statement showing Demands for Excess Grants in respect of the Budget (Railways) for 1962-63.